- Rs. 142.00 crores towards Fringe Benefit Tax (as against Rs. 105.00 crores in 2007-08).
- Rs. 2,474.96 crores (net of write-back) for non-performing assets (as against Rs. 2,000.94 crores in 2007-08).

Reserves and Surplus

- An amount of Rs. 5,291.79 crores (as against Rs. 4,839.07 crores in 2007-08) was transferred to Statutory Reserves.
- An amount of Rs. 826.56 crores (as against Rs. 4.44 crores in 2007-08) was transferred to Capital Reserve Fund.
- An amount of Rs. 306.89 crores (as against Rs. 362.09 crores in 2007-08) was transferred to Other Reserve Funds.

Assets

The total assets of the Bank increased by 33.66% from Rs. 7,21,526.31 crores at the end of March 2008 to Rs. 9,64,432.08 crores as at end March 2009. During the period, the loan portfolio increased by 30.17% from Rs. 4,16,768.20 crores to Rs. 5,42,503.20 crores. Investments increased by 45.62% from Rs. 1,89,501.27 crores to Rs. 2,75,953.96 crores as at the end of March 2009. A major portion of the investment was in the domestic market in government and other approved securities. The Bank's market share in domestic advances was 16.03% as of March 2009.

Liabilities

The Bank's aggregate liabilities (excluding capital and reserves) rose by 34.79% from Rs. 6,72,493.65 crores on 31st March 2008 to Rs. 9,06,484.38 crores on 31st March 2009. The increase in liabilities was mainly contributed by increase in deposits and Other Liabilities & Provisions. The Global deposits stood at Rs. 7,42,073.13 crores as on 31st March 2009, representing an increase of 38.08 % over the level on 31st March 2008. The Bank's market share in domestic deposits was 17.72% as of March 2009.

Performance Highlights

Consequent upon acquisition of State Bank of Saurashtra by State Bank of India in 2008-09, as also migration of branches to and from within the various business groups, the base business figures of previous year (2007-08) in respect of the various business groups have been amended with regrouping, wherever necessary and determinable, to make them comparable with the current year's figures and arrive at growth figures during the year 2008-09.

	Core Operations
A	Global Markets Department
B	Corporate Banking Group
C	Mid Corporate Group
D	National Banking Group
E	Rural Business Group
F	Marketing & Cross Selling Department
G	Corporate Strategy & New Business
H	International Banking Group
I	Associates & Subsidiaries
J	Asset Quality
K	Information Technology

A. GLOBAL MARKETS DEPARTMENT

Global Markets Department at the Corporate Centre handles the Bank's Treasury Operations across all time zones and covers activities in various markets i.e., Forex, Interest Rates, Bullion, Equity and Alternative Assets.

• वर्ष के दौरान बांड बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव देखा गया। मुद्रास्फीति की ऊँची दर और पण्यों की ऊँची कीमतों के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों वाले बाजार में अधिक लाभ प्राप्त किया गया। इस कारण पहली दो तिमाहियों में हम अपने बांड कारोबार के लिए बाजार मूल्य पर प्रावधान कर पाए। वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा सीआरआर, एसएलआर घटाए जाने के साथ-साथ प्रतिभूतियों की वापसी खरीद की अनुमति प्रदान किए जाने से ब्याज दरों में स्थायित्व आया और ब्याज दरों में कमी का दौर शुरू हो गया। हमारी अर्थव्यवस्था की गति अचानक धीमी होने के बाद भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ये उपाय किए गए। जनवरी 2009 में 10 वर्षीय आधार प्रतिफल वाले बांडों में लाभ तेजी से गिरकर 4.85% के स्तर पर आ गए जो अब तक का सबसे निम्न स्तर है। ये जुलाई 2008 में 9.53% के उच्च स्तर पर थे। अंतत: ये 31 मार्च 2009 को 7.01% पर रहे। जमाराशियों में अभूतपूर्व वृद्धि के परिणामस्वरूप सीआरआर और एसएलआर की बढ़ी हुई अपेक्षाओं के कारण समग्र देशी निवेशों में 31 मार्च 2008 की तुलना में रु. 64,724 करोड़ की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में चलनिधि की स्थिति में सुधार आया और इसके बाद यह पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रही। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए अनेक पूर्वोपायों और इनके परिणामस्वरूप लाभ कम होने के कारण हमें अपने बांडों में किए गए निवेशों की बिक्री से लाभ अर्जित करने का अवसर मिला।

• वर्ष के दौरान ग्लोबल मार्केट्स विभाग का निष्पादन संक्षेप में नीचे तालिका में दिया गया है।

(राशि करोड़ रुपए में)

	2007-08	2008-09	वृद्धि %
निवेशों पर ब्याज से आय	11,887	15,750	32.50
अन्य आय-निवेशों की बिक्री से लाभ और विदेशी मुद्रा कारोबार से आय	1,987	3,125	57.27
विदेशी मुद्रा कारोबार में खरीद फरोख्त	11,74,029	18,11,194	54.27
देशीय ट्रेजरी कारोबार से औसत आय	7.49	8.02	0.53

ख. कारपोरेट बैंकिंग समूह

ख.1 बैंक का कारपोरेट बैंकिंग समूह तीन कार्यनीतिक व्यवसाय इकाइयों से मिलकर बना है, जिनके नाम हैं - कारपोरेट लेखा समूह, परियोजना वित्त एवं लीजिंग एसबीयू और तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह।

ख.2 कारपोरेट लेखा समूह (सीएजी)

कारपोरेट लेखा समूह में वर्ष के दौरान सीएजी, अहमदाबाद शाखा के जुड़ जाने से समूह की शाखाओं की कुल संख्या 5 हो गई है, जो 489 कारपोरेट ग्राहकों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। वर्ष के दौरान 42 नए कारपोरेट ग्राहकों को सीएजी में लाया गया।

• कारपोरेट लेखा समूह के रु. 68,866 करोड़ के अग्रिमों का बैंक के वाणिज्यिक और संस्थागत (खाद्यान्नेतर) अग्रिमों में 29% और कुल देशीय ऋणों में 15% हिस्सा है।

तालिका : 2 कारपोरेट लेखा समूह - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.2008 को	31.03.2009 को	वृद्धि %
जमाराशियाँ	9,843	19,702	100
अग्रिम	46,708	68,866	47

• कारपोरेट लेखा समूह विदेशी मुद्रा व्यवसाय में लगातार उच्च वृद्धि दर प्राप्त कर रहा है। इसने वर्षानुवर्ष 68% वृद्धि दर दर्ज की है। कारपोरेट लेखा समूह के विदेशी मुद्रा कारोबार का बैंक के कुल देशीय विदेशी मुद्रा टर्न ओवर में 53% हिस्सा है।

• अग्रिमों से होने वाली आय वर्ष 2007-08 में 8.57% थी, जो वर्ष 2008-09 में बढ़कर 9.98% हो गई।

• वर्ष के दौरान लेखा योजना प्रक्रिया शुरू की गई, जिससे समूह के बेहतर विपणन द्वारा कारपोरेट ग्राहकों की कारोबारी योजनाओं से जुड़ा जा सके और उन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान प्रदान किए जा सकें।

• शुल्क-आधारित सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करने की पहल की बदौलत कारपोरेट लेखा समूह की शुल्क-आय में वर्ष के दौरान 66% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

• बैंक के सशक्त तुलन पत्र का लाभ उठाकर उच्च आय वाले ग्राहकों से बड़े पैमाने पर हामीदारी व्यवसाय जुटाया गया।

लेनदेन बैंकिंग इकाई

समूह सहक्रिया के माध्यम से शुल्क आधारित आय बढ़ाने के लिए कारपोरेट बैंकिंग समूह में नकदी प्रबंध उत्पाद एवं इसी के अधीन व्यापार वित्त स्कंध के साथ लेनदेन बैंकिंग इकाई बनाई गई है.

नकदी प्रबंध उत्पाद

एसबीआई फास्ट नामक अपने नकदी प्रबंध उत्पाद के लिए केंद्रीकृत समाधान व्यवस्था लागू की गई जिसे 379 शाखाओं में उपलब्ध कराया गया है। इसके माध्यम से कारपोरेट ग्राहकों की कागज पर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होने वाली उगाहियों के साथ-साथ कारपोरेट ग्राहकों के कागज पर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होने वाले भुगतानों की देखरेख की जाती है। नकदी प्रबंध उत्पाद (सीएमपी) में चलनिधि प्रबंधन की भी व्यवस्था है। इसका लक्ष्य बेहतर नकदी प्रबंध द्वारा कारपोरेटों की लाभप्रदता बढ़ाना और ब्याज लागतों में कमी लाना है।

ख. 3 परियोजना वित्तपोषण और पट्टा कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई

परियोजना वित्तपोषण-कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई बिजली, दूरसंचार, सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डों, माल ढुलाई और अन्य आधारभूत

• The year witnessed heightened volatility in the bond market. Adverse market conditions, mainly on account of higher inflation and commodity prices, resulted in higher yields which led to mark-to-market provisions on our portfolio in the first two quarters. During the second half of the financial year, interest rates stabilized and headed downwards on account of reduction in CRR, SLR and buy back of securities by RBI prompted by the sudden slow down in our economy. The benchmark 10 year yields saw a sharp fall to 4.85% in January 09, the lowest on record, from a high of 9.53% in July 08 and finally closed at 7.01% on 31st March 2009. Increased requirement of CRR and SLR, a consequence of the unprecedented deposit growth, resulted in an increase in the overall domestic investment portfolio by Rs.64,724 crores over 31st March 2008. Liquidity position eased in the second half of the financial year and remained comfortable thereafter. The series of proactive measures taken by RBI and the resulting fall in bond yields provided us with an opportunity to book profit on sale of investments from our bond portfolio.

• Performance of Global Markets department during the year is summarised in the table below.

(Amount in Rs. Crores)

	2007-08	2008-09	% Growth
Interest Income on Investments	11,887	15,750	32.50
Other Income - Profit on Sale of Investments and Forex Income	1,987	3,125	57.27
Trading Volume Forex Operations	11,74,029	18,11,194	54.27
Average Yield on Domestic Treasury Operations	7.49	8.02	0.53

B.CORPORATE BANKING GROUP

B.1 The Bank's Corporate Banking Group consists of three Strategic Business Units viz., Corporate Accounts Group, Project Finance & Leasing SBU and Stressed Assets Management Group.

B.2 Corporate Accounts Group (CAG)

Corporate Accounts Group, with addition of CAG, Ahmedabad Branch during the year, has five branches which cater to 489 Corporate clients. During the year, 42 new corporate clients were brought into the CAG fold.

- CAG's advances portfolio of Rs. 68,866 crores is 29 % of the C&I (Non-Food) credit of the Bank and constitutes 15 % of the total domestic credit portfolio of the Bank.

Table : 2 CAG – Highlights

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	Growth %
Deposits	9,843	19,702	100
Advances	46,708	68,866	47

- CAG continues to be on the high growth trajectory in forex business registering a YoY growth of 68%. CAG's forex business constituted 53 % of the total domestic forex turnover of the Bank.
- Yield on advances has improved from 8.57% in 2007-08 to 9.98% in 2008-09.
- Account Planning initiative was launched during the year to align better, the Group's marketing to the Business Plans of the corporate clients and to provide customised solutions.
- Focus on fee-based services saw the fee income of CAG registering an impressive 66% growth during the year.
- By leveraging Bank's balance sheet strength, substantial underwriting business was booked from large corporates.

Transaction Banking Unit

The Transaction Banking Unit has been created in CBG with the Cash Management Product and Trade Finance wings under its fold to boost fee based income through Group Synergy.

CASH MANAGEMENT PRODUCT

Cash Management Product with its brand name SBIFAST has migrated to a centralized solution covering 379 branches and handles paper and e-collections as well as paper and e-payments for Corporate clients. CMP also has a liquidity management module, which aims to enhance profitability to Corporates by facilitating better liquidity management and reducing interest costs.

B.3 Project Finance & Leasing SBU

The Project finance-SBU focusses on funding projects in infrastructure sectors like power,